हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 31 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 34 .5 डिग्री
न्यूनतम 22 .0 डिग्री

9 रेवाड़ी से रींगस के यात्रियों को सितंबर में चार जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं मिलेगी की सुविधा

10 महाकाल की नगरी से आए कलाकारों ने गणेश उत्सव में मचाया धमाल

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में पीओ सुरेश।

दो साल से फरार पीओ चढ़ा हत्थे

रेवाड़ी। बावल थाना पुलिस ने लगभग दो साल से फरार चल रहे एक पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने एक मामले में राजस्थान के अमरपुरा निवासी सुरेश को पीओ घोषित किया था। उसके खिलाफ बावल थाना पुलिस को केस दर्ज करने के आदेश जारी किए गए थे। पुलिस ने 26 अक्टूबर 2023 को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने सुरेश को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश कर दिया। उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

मारपीट का आरोपी वारंट पर लिया

जाटूसाना। थाना रोहड़ाई पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत 3 अगस्त को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। एक आरोपी को पुलिस ने दो दिन पहले गिरफ्तार कर लिया था। अब पुलिस ने झज्जर के जैतपुर निवासी अजय उर्फ भूरा को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। उसके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पोक्सो एक्ट के तहत एक गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग से अश्लील हरकत करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित के पिता बयान पर विभिन्न धाराओं के तहत 28 अगस्त को केस दर्ज किया था। पीड़िता का सरकारी अस्पताल से मेडिकल भी कराया गया था। इस मामले में थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी संदीप को पुलिस ने काबू कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

टैंकर सहित आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने 29 अगस्त को कमालपुर के पास सड़क हादसे को अंजाम देने के आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। तेल टैंकर की चपेट में आकर मस्तापुर निवासी ठेकेदार जोनी की मौत हो गई थी। चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद चालक की तलाश शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के पोरुला निवासी मनोज को टैंकर सहित गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मेघवाल समाज की बैठक रविवार को धामलाका में

रेवाड़ी। मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने बताया कि 31 अगस्त को सुबह 10 बजे गांव धामलाका में मेघवाल समाज की सभा का आयोजन किया जाएगा। मीटिंग में सभी पदाधिकारी, महिला शक्ति व समाज के लोग शामिल होंगे तथा समाजहित अपनी हिस्सेदारी को लेकर विचार साझा करेंगे और मेघवाल उत्थान समिति की मजबूती के लिए चर्चा की जाएगी।

तीन नए सब स्टेशनों की बिजली आपूर्ति भी यहीं से होगी

एचवीपीएन ने अपग्रेड किया लूला अहीर सब स्टेशन 10 करोड़ की लागत से लगाया दूसरा ट्रांसफार्मर

■ लगभग 20 गांवों के बिजली उपभोक्ताओं को फायदा मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। लूला अहीर के पावर स्टेशन में लगाया गया ट्रांसफार्मर। फोटो :हरिभूमि

अभी तक 100 एमवीए क्षमता के एक ही 220 बाई 33 केवी ट्रांसफार्मर से चल रहे लूला अहीर के पावर स्टेशन की कैपेसिटी को अब दोगुना कर दिया गया है। इस सब स्टेशन में हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम ने 100 एमवीए क्षमता का एक और ट्रांसफार्मर शनिवार को चालू कर दिया, जिस पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। नए ट्रांसफार्मर के चालू होने से कई गांवों और पावर सब स्टेशनों को अब निर्बाध रूप से बिजली मिलेगी। इस स्टेशन में 220 बाई 132 केवी क्षमता के 100 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर भी लगे हुए हैं, परंतु 33 केवी सब स्टेशनों की आपूर्ति एक ही ट्रांसफार्मर पर आधारित थी।

लूला अहीर के 220 केवी क्षमता के पावर हाउस में निर्माण के बाद 100 एमवीए क्षमता का एक ही ट्रांसफार्मर लगा हुआ था। इस ट्रांसफार्मर से 33 केवी क्षमता के नहर-1, नहर-2, बिसोहा, झाड़ौदा, खुशपुरा, बेरली, नांगल पठानी व नेहरूगढ़ सब स्टेशनों को बिजली आपूर्ति होती थी। दो नहरी फीडरों के साथ-साथ 28 गांवों के फीडरों की सप्लाई एक ही ट्रांसफार्मर से हो रही थी। ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने या मेंटिनेंस के दौरान सभी पावर सब स्टेशनों की बिजली ठप हो जाती थी, जिस कारण दर्जनों गांवों के लोगों को ब्लैकआउट जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता था। ब्रेकडाउन की स्थिति में ट्रांसफार्मर चालू किए जाने तक संबंधित बिजली घरों की सप्लाई ठप हो जाती थी। एचवीपीएन की ओर से इस सब स्टेशन में 100 एमवीए का एक और ट्रांसफार्मर लगाने का प्रस्ताव गत वर्ष ही तैयार किया गया था। नया ट्रांसफार्मर लगाने पर लगभग दस करोड़ रुपये की अनुमानित लागत निर्धारित की गई थी। प्रस्ताव को मुख्यालय से मंजूरी मिलने के बाद एचवीपीएन ने नया ट्रांसफार्मर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। जुलाई माह के अंत में ही ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग का कार्य शुरू कर दिया गया था। शनिवार को निगम के अभियंताओं की मौजूदगी में नए ट्रांसफार्मर को चालू करते हुए उस पर लोड डाल दिया गया। ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया।

ट्रांसमिशन का जिम्मा उठाने वाले एचवीपीएन ने नया ट्रांसफार्मर चालू करने के साथ ही इससे दिदौली, लूखी व नांगल भगवानपुर में नए बनने वाले 33 केवी पावर हाउसों की सप्लाई भी कनेक्ट की जाएगी। इन पावर हाउसों के शुरू होने से लगभग 20 गांवों के बिजली उपभोक्ताओं को फायदा मिलेगा। खास बात यह है कि अकेले 220 बाई 33 केवी ट्रांसफार्मर के खराब होने या जल जाने पर इसे बदलने में लगभग 2 माह का समय लग जाता है। ऐसे में संबंधित फीडरों की सप्लाई दूसरे सब स्टेशनों से जोड़ी जाती है, जिससे ओवलोड़िग की समस्या पैदा हो जाती है।

ट्रांसफार्मर चालू करते समय रहे मौजूद

शनिवार को नया ट्रांसफार्मर चालू करते समय एचवीपीएन के एक्सईएन संजय यादव, गुरुग्राम एचवीपीएन के एक्सईएन अमित मान, एईई सोनू यादव, एसडीओ प्रदीप कुमार, एसडीओ नितिन कुमार, एसएसई सुभाष चंद, जेई राहुल व रामभगत, ट्रांसफार्मर निर्माता कंपनी के इंजीनियर जितेंद्र व त्रिभुवन यादव, सिविल डिविजन से मुकेश एसडीओ तथा अनिल एक्सईएन मौजूद रहे। एक्सईएन संजय यादव ने ट्रांसफार्मर स्थापित करने वाली टीम व अभियंताओं को कुशल स्थापना पर बधाई दी।

कई गांवों के उपभोक्ताओं को राहत

चालू किए गए ट्रांसफार्मर की रेटिंग का एक ही ट्रांसफार्मर इस स्टेशन में लगा हुआ था। ओवरलोडिंग की समस्या नहीं थी, परंतु ट्रांसफार्मर खराब होने की स्थिति में कई फीडरों के बंद रहने का खतरा बना रहता था। नया ट्रांसफार्मर लगने के बाद यह समस्या खत्म हो गई है।
-संजय यादव, एक्सईएन।

खराब होने पर भी नहीं होगी समस्या

इस सब स्टेशन में लगे 100 एमवीए ट्रांसफार्मर पर ओवलोड़िग जैसी कोई समस्या नहीं थी। समस्या यह थी कि अगर ट्रांसफार्मर किसी वजह से खराब हो जाता है या जल जाता है, तो उससे कैसे निपटा जाए। विकल्प के तौर पर अभी तक दूसरे सब स्टेशनों का इस्तेमाल किया जा सकता था, जिन पर लोड बढ़ने से ओवरलोडिंग की समस्या पैदा होने की आशंका बनी रहती थी। ओवरलोड ट्रांसफार्मर के भी डैमेज होने का खतरा बना रहता है, इसलिए यह ट्रांसफार्मर नए विकल्प के रूप में तैयार किया गया है।

पार्ट टाइम जॉब के नाम पर ठगी का दूसरा आरोपी काबू

■ पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में ठगी का आरोपी राज गुप्ता। फोटो :हरिभूमि

साइबर थाना पुलिस ने गत वर्ष दिसंबर माह में पार्ट टाइम जॉब के नाम पर लाखों रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

गत वर्ष 31 दिसंबर को धारूहेड़ा की एक सोसायटी निवासी सुरेश चंद्र जोशी ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने 26 दिसंबर 2024 को फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा था, जिसमें पार्ट टाइम जॉब से पैसा कमाने की बात कही गई थी। उस पर दिए गए नंबर के आधार पर वह टेलीग्राम ग्रुरप से जुड़ गया। उसे कुछ टास्क दिया गया, जिसे पूरा करने के बदले पैसे दिए गए। इसके बाद ज्यादा पैसा कमाने के लिए 4500 रुपये इन्वेस्ट करने को कहा गया। इसके बदले उसे 6300 रुपये देने की बात कही गई। यह राशि जमा कराने के बाद उससे एक के बाद एक कई बार रिचार्ज कराए गए। उससे लगभग 3 लाख 11हजार रुपये का साइबर फ्रॉड किया गया। इसके बाद जब उससे 3 लाख रुपये और मांगे गए, तो उसे साइबर ठगी का अहसास हुआ। जिस पर पुलिस ने साइबर थाना रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त एक आरोपी यूपी के जिला शाहजहांपुर के मोहल्ला मोहम्मद जई निवासी आसिम आफाक को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में साइबर थाना पुलिस ने मामले में संलिप्त एक और आरोपी यूपी के जिला शाहजहांपुर के मोहल्ला बिजली पुरा निवासी राज गुप्ता को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले आरोपी आसिम आफाक के बैंक खाते में ठगी की 80 हजार रुपये की राशी ट्रांसफर हुई थी तथा आरोपी राज गुप्ता ने आसिम आफाक का बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध कराने के लिए मध्यस्थ की भूमिका अदा की थी। पुलिस ने आरोपी राज गुप्ता को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कालिया पर फायरिंग के दो आरोपी काबू कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिए

■ इस मामले में रोहित की रेकी करने वाले युवक को सीआईए ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में युवक पर फायरिंग के आरोपी। फोटो :हरिभूमि

सीआईए इंचार्ज सुमेर सिंह की टीम ने गत 23 अगस्त को भजन का बाग मोहल्ला में रोहित उर्फ कालिया पर फायरिंग करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद 4 दिन के रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में रोहित की रेकी करने वाले युवक को सीआईए ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। रोहित उर्फ कालिया पर उस समय बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी थी, जब वह कूलर ठीक कराने के बाद घर लौट रहा था। घर के गेट के पास फायरिंग होने के बाद रोहित ने अंदर भागकर जान बचाई थी। उसकी मां के शोर मचाने पर फायरिंग करने वाले आरोपी मौके से भागने में कामयाब हो गए थे। रोहित को कमर में गोली थी। पड़ोस के लोगों ने उसे अस्पताल में दाखिल कराया था। सिटी पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने आरोपियों को काबू करने के लिए सीआईए की टीम को जिम्मा सौंपा था। सीआईए ने रोहित की रेकी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया था। अब सीआईए ने गुर्जरवाड़ा निवासी हिमांश उर्फ लाला व खासापुरा निवासी सूजल को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को कार्ट से रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से हथियार की बरामदगी की जाएगी।

नप टीम ने शहर में कचरा फैलाने और एसयूपी का प्रयोग करने वालों के काटे चालान

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार की ओर से शहर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने म्हारा रेवाड़ी स्वच्छ रेवाड़ी की मुहिम को सार्थक बनाने के लिए डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन व जिला नगर आयुक्त ब्रह्मप्रकाश के नेतृत्व में नगर परिषद टीम ने शनिवार को शहर में जगह-जगह कचरा डालने वालों व सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई करने का अभियान चलाया। इस दौरान नगर परिषद के अधिकारियों ने सड़कों व गलियों में कचरा व गंदगी डालने वाले तथा एसयूपी का प्रयोग करने वाले 50 व्यक्तियों के चालान करते हुए लगभग 17 हजार रुपए की वसूली की। नगर परिषद के मुख्य सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि मुख्य बाजार, रेलवे स्टेशन रोड, झज्जर चौक, बाइपास रोड पर उल्लंघनकर्ताओं के चालान काटे गए। नागरिकों से आह्वान किया वे जगह-जगह गंदगी डालकर शहर को गंदा न करें। सरेआम गंदगी व कचरा डालने वालों पर नगर परिषद की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एडीज का लार्वा मिलने पर 1916 लोगों को नोटिस

■ अब तक 115 हो चुके डेंगू संक्रमित

■ स्वास्थ्य विभाग साढे 17 लाख के करीब घरों में कर चुका सर्वे, शहर में सबसे ज्यादा मिले 39 डेंगू पॉजिटिव मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कूलर में लार्वा की जांच करते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो :हरिभूमि

जिले में डेंगू पॉजिटिव मरीजों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। पिछले सप्ताह लगातार हुई बरसात से हुए जलभराव से मच्छरों का प्रकोप भी काफी बढ़ गया है। डेंगू के मामलों ने भी काफी रफ्तार पकड़ी हुई है। शनिवार का 3 डेंगू पॉजिटिव नए मरीज मिलने से संख्या 115 पर पहुंच गई है। इसके अलावा मलेरिया के भी 10 केस मिल चुके है। गत वर्ष 2024 में डेंगू के 411 केस मिले थे। अभी तक मिले डेंगू मरीजों में 102 की प्राइवेट व 13 मरीजों की सरकारी लैब से पुष्टि की गई है। जिला मलेरिया अधिकारी व डिप्टी सीएमओ डा. अमित यादव के मार्गदर्शन में हेल्थ इंस्पेक्टरों की टीम डेंगू की रोकथाम के लगातार प्रयास कर रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर सोर्स रिडक्शन का कार्य कर रही है तथा घरों में लार्वा मिलने पर लोगों को नोटिस भी दिए जा रहे है। अब तक लार्वा मिलने पर 1916 से लोगों को नोटिस दिए जा चुके है। स्वास्थ्य विभाग की ब्रीडिंग चेकर टीम अब तक सोर्स रिडेक्शन एक्टिविटी के तहत 1744659 घरों में लार्वा की जांच कर चुकी है।

घर के आसपास रखें साफ-सफाई

डेंगू व मलेरिया बीमारियों से बचाव के लिए घर में व आसपास साफ-सफाई रखे। ठहरे हुए पानी में काला तेल डाले। घरों के बर्तन, कूलर, पानी की टंकी व पशुओं की खेल की सफाई करते रहे, जिससे मच्छर का लार्वा न पनप सके। डेंगू व मलेरिया के लक्षण होने पर ब्लड की जांच कराकर डॉक्टर की सलाह पर ही दवाईयां ले। ज्यादा से ज्यादा पेय पद्धार्थो का सेवन करें।
-डा. अमित यादव, मलेरिया अधिकारी।

अब तक शहर से सबसे ज्यादा 39 मरीज

इस सीजन में अभी तक डेंगू के 115 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। जिले में अभी तक शहर में 39, बावल सीएचसी में 27, मीरपुर सीएचसी में 7, खोल सीएचसी में 30, गुरावड़ा सीएचसी में 6 तथा नाहड़ सीएचसी के अर्न्तगत 6 डेंगू के मरीज मिल चुके है। अब तक 2077 लोगों के ब्लड सेंपल लिए जा चुके है। शनिवार को नागरिक अस्पताल में 89 व प्राइवेट अपताल में 8 सहित 97 लोगों के ब्लड सेंपल लिए गए। अस्पतालों में फिलहाल डेंगू के 3 मरीज एडमिट है। अभी तक 34 मरीज ठीक होने पर डिस्चार्ज किए जा चुके है।

आसमान साफ होने का नहीं ले रहा नाम, बाजरा और कपास की फसलों को नुकसान

आसमान में छाए रहे बादल, धूप निकलने से पारा चढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आसमान साफ होने का नाम नहीं ले रहा है। ज्यादा बारिश तो नहीं हो रही, परंतु बूंदाबांदी लगभग हर रोज हो रही है। बादल छंटने के बाद धूप खिलते ही उमस भरी गर्मी परेशान करना शुरू कर देती है। बारिश के बाद मौसम सुहाना हो जाता है। बाजरा और कपास की फसलों को लगातार बूंदाबांदी से नुकसान होना शुरू हो गया है। लगभग एक सप्ताह तक मौसम साफ होने के आसार नहीं हैं, जिससे किसानों की परेशानी बढ़ सकती है। शनिवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। कुछ एरिया में मामूली बूंदाबांदी हुई। दोपहर तक बादल छंटने के बाद आसमान साफ हो गया। तेज धूप निकलने के बाद गर्मी का असर बढ़ गया। अधिकतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 34.5 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री की वृद्धि के साथ 22.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 78 प्रतिशत रहा। हवा की गति 10 किमी प्रति घंटा रही। दोपहर के समय धूप निकलने के बाद उमस भरी गर्मी ने एक बार फिर लोगों को जमकर परेशान किया। चिपचिपाहट भरी गर्मी के कारण लोगों के पसीने छूटते रहे। कूलरों की हवा भी बेअसर साबित होने लगी। शाम के समय एक बार फिर बादल छाने के बाद मौसम का मिजाज कुछ ठंडा हो गया। मौसम विभाग के अनुसार विक्षोभ की सक्रियता के चलते सितंबर माह के पहले सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर तेज बारिश का अनुमान भी लगाया जा रहा है। रविवार को भी बूंदाबांदी होने की संभावना है।

कई इलाकों में बूंदाबांदी

रेवाड़ी। शनिवार शाम को छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

फसल कटाई का कार्य अधर में

किसानों की बाजरे की फसल पककर तैयार खड़ी है। मौसम खराब होने के कारण फसल कटाई का कार्य अधर में लटका हुआ है। इस मौसम में कटाई के बाद अगर बारिश होती है, तो उससे फसल को ज्यादा नुकसान की आशंका है। जिन किसानों ने बाजरे की कटाई कर ली थी, उनका बाजरा बारिश से खराब हो रहा है। इस समय होने वाली तेज बरसात बाजरे की फसल को भारी नुकसान पहुंचा सकती है। लगातार मौसम खराब रहने के कारण कपास की फसल के खराब होने की आशंका भी बनी हुई है। किसान जल्द मौसम साफ होने की कामना कर रहे हैं, परंतु आसमान में लगातार बादल छा रहे हैं।

घर से पिता की बाइक लेकर नाबालिग लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोहारड़ गांव से एक नाबालिग शुक्रवार को घर से अपने पिता की बाइक लेकर लापता हो गया। नाबालिग के पिता बलजीत सिंह ने नाहड़ पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बुधवार रात वह नाईट ड्यूटी करके घर आए थे। वीरवार को उनका लड़का लगभग 2:30 बजे उनकी बाइक लेकर घर से चला गया।

उन्होंने उसके दोस्तों व रिश्तेदारी में पूछताछ की व काफी तलाश करने पर भी उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने शुक्रवार को पिता की सूचना पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है।

चार्ट देखकर भी बताया जा सकता है बाजार का हाल

■ स्टॉक मार्केट में कैंडल का विज्ञान भी दे सकता है बड़ा ज्ञान ■ कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम सबसे हिस्सा ■ खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई का होता है खुलासा ■ कीमतों पर कैसे असर डालती है, चार्ट से ही भविष्यवाणी संभव

बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम हिस्सा होता है। यह बताता है कि खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई कीमतों पर कैसे असर डालती है। इससे बाजार की भविष्यवाणी की जा सकती है और निवेशकों को भी प्लानिंग बनाने में मदद मिलती है। स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट एक खास तरीका है, जिससे निवेशक और ट्रेडर यह समझने की कोशिश करते हैं कि शेयर की कीमत आगे किस दिशा में जाएगी। यह चार्ट हमें एक समय में शेयर के खुलने (ओपन), बंद होने (क्लोज), सबसे ऊपर (हाई) और सबसे नीचे (लो) जाने वाली कीमत दिखाता है। हर एक कैंडल बताता है कि उस समय कितनी तेजी या कमजोरी थी. लेकिन क्या सिर्फ ये कैंडल देखकर पता चल जाता है कि शेयर के साथ आगे क्या होगा? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंडलस्टिक चार्ट से क्या प्रभाव पड़ता है और इससे खरीदार और विक्रेता पर क्या असर होता है।

क्या है कैंडलस्टिक चार्ट

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट उस समयावधि में किसी शेयर या एसेट के ओपनिंग, क्लोजिंग, हाई और लो प्राइस को दिखाता है। हर 'कैंडल' एक समय की कहानी कहती है। हरे या सफेद कैंडल का मतलब है कि कीमत बढ़ी, जबकि लाल या काले कैंडल का मतलब कीमत गिरी। कैंडल का मोटा हिस्सा बॉडी कहलाता है, जो ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस का फर्क बताता है, जबकि पतली लाइनें (विक्स/शैडो) दिन के हाई और लो प्राइस को दिखाती हैं।

कैंडल का इतिहास और विज्ञान

कैंडलस्टिक चार्ट की शुरुआत 18वीं सदी में जापान में हुई थी। वहां चावल व्यापारी इसे इस्तेमाल कर मार्केट का मूड समझते थे। दरअसल, कैंडल का विज्ञान मांग और आपूर्ति की मनोविज्ञान पर आधारित है। खरीदार (बुल्स) और विक्रेता (बेयर्स) की खींचतान चार्ट पर पैटर्न के रूप में दिखती है। यही पैटर्न बार-बार दोहराने पर एक तरह का संकेत बनाते हैं, जो आने वाले रुझान (ट्रेंड) का अंदाजा देने में मदद करता है।

आम कैंडलस्टिक पैटर्न्स

कैंडल पैटर्न कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास पैटर्न सबसे ज्यादा उपयोगी माने जाते हैं। इनमें हैमर - डाउनट्रेंड के बाद बनता है और बताता है कि अब मार्केट ऊपर जा सकता है। वहीं, हैंगिंग मैन अपट्रेंड के टॉप पर बनता है और बेचने का संकेत देता है। इसके अलावा शूटिंग स्टार ऊपर जाते हुए मार्केट में बनता है और गिरावट का अलर्ट देता है। बेयरिश एंगल्फिंग छोटी हरी कैंडल को बड़ी लाल कैंडल ढक लेती है, इसका मतलब है कि बिकवाली हावी है। वहीं, राइजिंग/फॉलिंग थ्री यह पैटर्न बताता है कि चल रहा ट्रेंड और कुछ समय जारी रहेगा।

कैंडल सच में भविष्य बता सकती है?

कई रिसर्च और ट्रेडिंग स्टडीज में पाया गया है कि कैंडलस्टिक पैटर्न्स की सटीकता 100% सही तो नहीं, लेकिन कुछ हद तक सही हो सकती है। यानी यह निश्चित भविष्यवाणी नहीं करते, लेकिन प्रॉबेबिलिटी (संभावना) दिखाते हैं। हालांकि, यह तब ज्यादा असरदार होते हैं जब मार्केट ट्रेंडिंग या वोलैटाइल हो।

मार्केट कॉन्टेक्स्ट की अहमियत

कैंडल अकेले ही भविष्यवाणी का पूरा आधार नहीं हो सकता। अगर मार्केट साइडवेज या बहुत शांत है, तो पैटर्न्स गलत सिग्नल भी दे सकते हैं। इसलिए प्रोफेशनल ट्रेडर्स कैंडल्स को वॉल्यूम, मूविंग एवरेज, सपोर्ट-रेसिस्टेंस लेवल और अन्य टेक्निकल इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर देखते हैं। इससे गलतियों का खतरा कम होता है।

सीमाएं और सावधानियां

कैंडलस्टिक एनालिसिस के बावजूद कुछ सीमाएं हमेशा रहेंगी। जैसे- यह सिर्फ संभावनाएं बताता है, गारंटी नहीं देता। मैक्रो फैक्टर्स, कंपनी न्यूज और ग्लोबल घटनाएं कभी भी पैटर्न्स को तोड़ सकती हैं। यह ज्यादा शॉर्ट-टर्म फोकस्ड है, लॉन्ग-टर्म निवेशक के लिए उतना उपयोगी नहीं। मशीन लर्निंग मॉडल ओवरफिटिंग का शिकार हो सकते हैं, यानी गलत सिग्नल भी दे सकते हैं।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

एसबीआई, निप्पोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी की स्कीम्स में कड़ा मुकाबला

20 साल के रिटर्न में एसबीआई एमएफ नंबर वन निप्पॉन, एचडीएफसी व टाटा के फंड भी टॉप 5 में

बिजनेस डेस्क

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स कैटेगरी में 25 साल से भी पुरानी स्कीम्स के बीच ऊंचा रिटर्न देने के मामले में कड़ा मुकाबला रहा है। कैटेगरी की सबसे पुरानी स्कीम्स की इस होड़ में एसबीआई, निप्पॉन इंडिया, टाटा, आईसीआईसीआई प्रू और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीमें शामिल हैं, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देती रही हैं। 20 साल के रिटर्न में एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम सबसे आगे है, तो 30 साल के रिटर्न में निप्पॉन इंडिया की स्कीम ने कमाल दिखाया है। दरअसल, इस कैटेगरी की सबसे पुरानी टॉप 5 स्कीम्स को लॉन्च हुए 27 साल से लेकर 32 साल तक हो चुके हैं। इनमें सबसे पुरानी स्कीम टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड है, जिसे लॉन्च हुए 32 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इस फंड ने इस दौरान 1 लाख रुपये के निवेश को 1.3 करोड़ रुपये में तब्दील करके दिखाया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड ने करीब 30 साल में निवेशकों के 1 लाख रुपये को 1.45 करोड़ रुपये में बदलकर लॉन्च से अब तक सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनके अलावा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड की स्कीम्स भी बेस्ट 5 में शामिल हैं।

5 सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स का ट्रैक रिकॉर्ड : सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स के लॉन्च से अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ ही हमने टॉप 5 स्कीम के पिछले 20 साल के रिटर्न के आंकड़े भी दिए हैं और इन्हें इसी हिसाब से अरेंज भी किया है, ताकि इनकी आपस में तुलना करना आसान हो जाए। 20 साल के इन आंकड़ों में एसबीआई म्यूचुअल फंड का लार्ज एंड मिड कैप फंड सबसे आगे है, जिसने इतने समय में निवेशकों की दौलत को 20 गुना कर दिया है।

एसबीआई लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 28 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.58%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 14.98%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 92,73,050 (92.73 लाख)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 16.35%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 20,66,939.44 (20.67 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 33,361.81 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड-रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 27 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 9 जुलाई 1998, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.65%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.46%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 98,25,500 रुपये
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 15.63%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 18,25,620.54 (18.26 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,137.39 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 25 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.74%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 16.42%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,29,68,299.69 (1.3 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.25%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,35,899.93 (14.36 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 8773 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : करीब 30 साल
- लॉन्च की तारीख : 8 अक्टूबर 1995, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.92%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.16%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,45,20,120 (1.45 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.13%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,06,035.69 (14.06 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,173.85 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

लार्ज एंड मिड कैप फंड क्यों खास

लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में लार्ज कैप कंपनियों के साथ ही साथ मिडकैप कंपनियों के स्टॉक्स भी शामिल होते हैं। सेबी के नियमों के तहत इनमें कम से कम 35% स्टॉक्स लार्ज कैप कंपनियों के और इतने ही शेयर मिड कैप कंपनियों के होने चाहिए। लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार के उतार चढ़ाव के दौरान ज्यादा स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता होती है। इन्हें मिड कैप और स्मॉल कैप के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स बाजार की रैली में हाई रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड के पोर्टफोलियों में शामिल स्टॉक्स मार्केट कैप के लिहाज से बाजार की टॉप 250 कंपनियों में से चुने जाते हैं। इनमें टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप में आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं। अपनी खास निवेश रणनीति के कारण लार्जकैप एंड मिडकैप फंड, एक ही स्कीम में दोनों तरह के स्टॉक्स में निवेश का फायदा देने की क्षमता रखते हैं।

कौन कर सकता है इनमें निवेश

जो निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाकर हाई रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए लार्ज एंड मिड कैप कैटेगरी की ये पुरानी और आजमाई हुई स्कीम्स अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं, लेकिन निवेश के बारे में फैसला करने से पहले इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है और पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती। इसलिए अपनी रिस्क उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही फैसला करना चाहिए।

डाक विभाग अब बेचेगा म्यूचुअल फंड

लोग पोस्ट ऑफिस के जरिए कर सकेंगे निवेश, ग्रामीण क्षेत्रों को होगा बड़ा फायदा

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका लक्ष्य है कि लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर डाक विभाग और एएमएफआई ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड भी बेचे जाएंगे। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंच सकेंगी। इसके लिए डाक विभाग और एएमएफआई के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस समझौते के बाद, इंडिया पोस्ट म्यूचुअल फंड में निवेश करने में लोगों की मदद करेगा। खासकर, इसका फायदा गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा अब गांव में भी मिलेगा

इसके लिए एक लाख पोस्टमैन को ट्रेनिंग दी जाएगी

क्या है समझौते का मकसद?

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। पोस्ट ऑफिस पर लोगों का भरोसा है और इसकी पहुंच भी देश के कोने-कोने तक है। इस समझौते के तहत, डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगे। इससे छोटे शहरों और गांवों में म्यूचुअल फंड की जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। इन इलाकों में अभी तक लोगों को वित्तीय उत्पादों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

पहले 4 राज्यों में दी जाएगी ट्रेनिंग

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं।

एसआईपी के माध्यम से बढ़ी संख्या

हर साल लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गांव-गांव पहुंचेगी सुविधा

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने से गांवों और छोटे शहरों के लोगों को निवेश करने का एक नया मौका मिलेगा। उन्हें अब म्यूचुअल फंड खरीदने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में जाकर वे आसानी से निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड के लाभ

- **ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच:** पोस्ट ऑफिस की व्यापक पहुंच के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे।
- **वित्तीय साक्षरता:** पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और निवेश प्रक्रिया में मदद करेंगे, जिससे वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी।
- **निवेश के अवसर:** पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे।

तीन साल का समझौता

- डाक विभाग और एएमएफआई के बीच तीन साल का समझौता हुआ है, जिसके तहत एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे निवेशकों को समर्थन प्रदान करेंगे। इस पहल से गांवों और छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

पैसा कमाने के लिए खास हैं 444 दिन, एसबीआई समेत कई बैंक दे रहे एफडी पर जबरदस्त ब्याज

अगर आप एफडी में निवेश पर अच्छा रिटर्न तलाश कर रहे हैं तो बैंकों की 444 दिन की स्पेशल स्कीम बेहतर ऑप्शन हो सकती हैं। कई बैंक यह स्कीम दे रहे हैं।

अगर आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बैंक एफडी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसमें ब्याज भले की कम मिले, लेकिन आपकी पैसा सुरक्षित रहता है। रेपो रेट में कमी होने के बाद भी कई बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। वहीं बैंक कुछ खास समय के लिए भी एफडी स्कीम लेकर आए हैं। इनमें 444 दिन की स्पेशल एफडी भी शामिल है। एसबीआई, केनरा और इंडियन बैंक समेत कई बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम नागरिकों, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को अच्छा ब्याज दे रहे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई की 444 दिन की स्पेशल एफडी का नाम 'अमृत वृष्टि' है। यह बैंक आम लोगों को 6.60% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। अगर आप एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी में 1 लाख रुपये लगाते हैं, तो आपको करीब 1,08,288 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,288 रुपये मिलेंगे।

इंडियन बैंक

इंडियन बैंक अपनी 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम (इंड सिक्योर प्रोडक्ट) पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.20% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.45% ब्याज मिलेगा। इंड सिक्योर प्रोडक्ट एफडी में 1 लाख रुपये लगाने पर आपको लगभग 1,08,418.26 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,418.26 रुपये मिलेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) में 6.60% ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। आप बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम में 1 लाख लगाते हैं, तो लगभग 1,08,288.61 मिलेंगे। ब्याज के 8,288.61 मिलेंगे।

आईडीबीआई बैंक

आईडीबीआई बैंक 444 दिन की उत्सव एफडी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज व सीनियर सिटीजन को 7.20% व सुपर सीनियर सिटीजन को 7.35% ब्याज दे रहा है। यह दरें 30 सितंबर, 2025 तक ही लागू हैं। उत्सव एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,418.26 मिलेंगे। ब्याज 8,418.26 होगा।

केनरा बैंक

केनरा बैंक 444 दिन की एफडी पर आम नागरिकों को 6.50% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7% ब्याज मिलेगा। एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,159.08 रुपये मिलेंगे।

एनपीएस के 7 इक्विटी प्लान्स 5 साल या उससे ज्यादा पुराने

सभी स्कीम्स ने एसआईपी पर निवेशकों को मोटा मुनाफा कराया

एनपीएस के कुछ खास इक्विटी प्लान ने 5 साल में 20% तक दिया एनुअल रिटर्न, पांच साल में लंपसम और एसआईपी दोनों पर ही अच्छा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की टियर 1 स्कीम में निवेश करने वालों के पैसे जिन इक्विटी प्लान्स में लगाए जाते हैं, उनमें से 7 को शुरू हुए 5 साल या उससे ज्यादा समय हो चुका है। इन सभी इक्विटी प्लान्स ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 19 फीसदी से 20 फीसदी तक रहा है। इस हिसाब से 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू करीब 2.5 लाख रुपये तक होगी। 5 साल पूरे करने वाले बाकी 2 इक्विटी फंड्स का प्रदर्शन भी आकर्षक है। एनपीएस सरकार द्वारा प्रमोट की गई एक बाजार आधारित पेंशन स्कीम है, जिसका मकसद निवेशकों को रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम और आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना है। 5 साल पूरा करने वाले एनपीएस के सभी इक्विटी प्लान्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी मिनिमम 13.52% से लेकर मैक्सिमम 16.53% तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। जिन्हें काफी आकर्षक कहा जा सकता है। इनमें हर महीने 5000 रुपये एसआईपी करने वाले निवेशकों की मौजूदा फंड वैल्यू 4.20 लाख रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक रही है. जबकि 5 साल में उनका कुल एसआईपी इनवेस्टमेंट 3 लाख रुपये रहा होगा।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

यूटीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 20.07%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.37 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 450,425 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4677 करोड़

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.90%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.93 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 445,620 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 21,864 करोड़ रुपये

कोटक पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.89%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.53 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 452,340 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3220 करोड़ रुपये

एलआईसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.40%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.06%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 436,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,830 करोड़ रुपये

एचडीएफसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 18.97%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.16 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 437,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 60,643 करोड़ रुपये

आदित्य बिरला सन लाइफ पेंशन स्कीम

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.75%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.31%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 428,355 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1790 करोड़

एसबीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.58%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.52%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 420,080 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,352 करोड़

एनपीएस के बारे में जरूरी जानकारी

एनपीएस एक मार्केट-लिंक्ड स्कीम है। इसमें पेंशन की रकम निवेशक द्वारा किए गए इनवेस्टमेंट और उस पर मिलने वाले बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर करती है। एनपीएस के टियर 1 में एक साल के दौरान 2 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है। निवेशकों को रिटायरमेंट के समय अपने कॉर्पस में जमा 60% रकम को एकमुश्त निकालने का ऑप्शन मिलता है। यह रकम टैक्स-फ्री होती है। बाकी 40% फंड को एन्युइटी खरीदने में निवेश करना होता है, जिससे पेंशन मिलती है। एनपीएस में लगाए गए पैसों को फंड को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। किस एसेट क्लास में कितना निवेश करना है, इसका फैसला निवेशकों की उम्र पर आधारित फॉर्मूले के हिसाब से किया जाता है।

मार्केट आधारित स्कीम में रिटर्न की गारंटी नहीं

एनपीएस में निवेश किए गए पैसों पर बाजार की चाल के हिसाब से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन मार्केट परफॉर्मेंस अच्छा न रहने पर कमजोर रिटर्न या गिरावट होने पर नुकसान की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। खास तौर पर स्कीम के इक्विटी प्लान के रिटर्न तो पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़े होते हैं। इसलिए इनका पिछला रिटर्न आगे भी जारी रहेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। हालांकि एनपीएस में इक्विटी और डेट में संतुलित ढंग से निवेश करके रिस्क और रिटर्न के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश रहती है। इसलिए लॉन्ग टर्म निवेश को आमतौर पर भरोसेमंद माना जाता है। फिर भी इसमें निवेश से जुड़ा फैसला करने से पहले ये समझना जरूरी है कि एनपीएस कोई गारंटीड इनकम प्लान नहीं है।

खबर संक्षेप

कनीना बस स्टैंड को मिली सीमेंट की दस कुर्सियां

नारनौल। यात्रियों के बैठने की सुविधा के लिए कनीना बस स्टैंड को सीमेंट वाली कुर्सियां मिली हैं। रोडवेज के महाप्रबंधक देवदत्त ने बताया कि कनीना बस स्टैंड पर यात्रियों की बैठने की सुविधा नहीं थी, जिससे यात्रियों को परेशानी की सामना करना पड़ रहा था। यात्रियों की परेशानी का समाधान करते हुए 10 सीमेंट की कुर्सियों की व्यवस्था की गई है।

भगवान श्रीगणेश की निकाली झांकी

नारनौल। गणेश उत्सव युवा मंडल दिल्ली वाली ढाणी नारनौल के तत्वाधान से द्वितीय गणेश उत्सव के दौरान सुंदर झांकी निकाली गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि पूर्व चेयरपर्सन भारती सैनी सैनी रहे। भारती सैनी ने मंडल के सदस्यों की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

श्री गणपति कॉलेज का परीक्षा परिणाम सराहनीय

नारनौल। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा हाल ही में घोषित बीएड द्वितीय वर्ष के परिणाम में श्री गणपति शैक्षिक एवं तकनीकी संस्थान फैजाबाद ने शत प्रतिशत सफलता हासिल कर क्षेत्र में नाम रोशन किया है। छात्रा प्रियंका ने 76 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम, नैन्सी ने 75 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय तथा मयंक और मंजु ने 74 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है।

रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए पहल

रेवाड़ी से रींगस के यात्रियों को सितंबर में 4 जोड़ी स्पेशल रेलसेवा मिलेगी

रेल सेवा मार्ग में अटेली, नारनौल, डाबला, नीम का थाना, कावंट व श्रीमाधोपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। रेवाड़ी रेलमार्ग से गुजरते हुए एक्सप्रेस ट्रेन। फोटो: हरिभूमि

रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए सितंबर के पहले सप्ताह से चार जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जाएगा। इस रेलसेवाओं के संचालन से रेवाड़ी जिले के यात्रियों का सफर सुगम होगा। इन रेलसेवाओं के संचालन से खाटूधाम जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने बताया कि इन रेलसेवाओं का एक सितंबर से 30 सितंबर तक संचालन किया जा रहा है।

रेवाड़ी-रींगस ट्रेन 2 सितंबर से 28 तक गाड़ी संख्या 09633 रेवाडी-रींगस एक्सप्रेस स्पेशल रेलसेवा 2 सितंबर, 5, 6, 12, 13, 16, 19, 20, 26 व 27 सितंबर को रेवाड़ी से रात्रि 10:50 बजे रवाना होकर मध्यरात्रि बाद 1:35 बजे रींगस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 9634 रींगस-रेवाड़ी एक्सप्रेस स्पेशल रेलसेवा 3 सितंबर, 6, 7, 13, 14, 17, 20, 21, 27 व 28 सितंबर को रींगस से 2:20 बजे रवाना होकर सुबह 5:20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में अटेली, नारनौल, डाबला, नीम का थाना, कावंट व श्रीमाधोपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में डेमू रैक के 16 डिब्बे होंगे।

भारी वर्षा के कारण आज सात रेलसेवाएं रद

उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल पर भारी वर्षा से कठुआ-माधोपुर पंजाब स्टेशनों के मध्य ब्रिज संख्या-17 पर तकनीकी समस्या के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने बताया की कार्य के कारण रेलसेवाएं प्रभावित रहेगी। गाड़ी संख्या 14661 बाड़मेर-जम्मूतवी रेलसेवा, गाड़ी संख्या 14662 जम्मूतवी-बाड़मेर रेलसेवा, गाड़ी संख्या 14803 भगत की कोठी-जम्मूतवी रेलसेवा, गाड़ी संख्या 14804 जम्मूतवी-भगत की कोठी रेलसेवा, गाड़ी संख्या 12413 अजमेर-जम्मूतवी रेलसेवा, गाड़ी संख्या 12414 जम्मूतवी-अजमेर रेलसेवा तथा गाड़ी संख्या 19224 जम्मूतवी-साबरमती रेलसेवा 31 अगस्त को रद रहेगी।

मदार-रोहतक एक्सप्रेस 30 सितंबर तक

गाड़ी संख्या 09639 मदार-रोहतक एक्सप्रेस स्पेशल रेलसेवा 1 सितंबर से 30 सितंबर तक मदार से प्रतिदिन अल सुबह 4:30 बजे रवाना होकर दोपहर 12:50 बजे रोहतक पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09640 रोहतक-मदार एक्सप्रेस स्पेशल रेलसेवा 1 सितंबर से 30 सितंबर तक रोहतक से प्रतिदिन दोपहर 1:20 बजे रवाना होकर रात्रि 10:35 बजे मदार पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में किशनगढ, नरेना, फुलेरा, रेनवाल, बधाल, रींगस, श्रीमाधोपुर, कावंट, भगेगा, नीम का थाना, मांवडा, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अटेली, कुंड, रेवाड़ी, गोकलगढ, झज्जर व अस्थल बोहर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 7 साधारण व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 9 डिब्बे होंगे।

जयपुर-भिवानी स्पेशल रेलसेवा 2 सितंबर से

गाड़ी संख्या 09733 जयपुर-भिवानी स्पेशल रेलसेवा दिनांक 2 सितंबर से 30 सितंबर तक जयपुर से प्रतिदिन सुबह 7 बजे रवाना होकर दोपहर 2:20 बजे भिवानी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09734 भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा 2 सितंबर से 30 सितंबर तक भिवानी से प्रतिदिन शाम 4:05 बजे रवाना होकर रात्रि 11:25 बजे जयपुर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में ढेहर का बालाजी, नींदर बैनाड, चौमू, सामोद, गोविन्दगढ मलिकपुर, रींगस, श्रीमाधोपुर, कावंट, नीम का थाना, मांवडा, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अटेली, कुंड, रेवाड़ी, कोसली, झाडली व चरखी दादरी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 9 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 11 डिब्बे होंगे।

रेवाड़ी-रींगस ट्रेन 3 सितंबर से 28 तक

गाड़ी संख्या 09637 रेवाड़ी-रींगस स्पेशल रेलसेवा 3 सितंबर, 6, 7, 13, 14,17, 20, 21, 27 व 28 सितंबर को रेवाड़ी से सुबह 11:45 बजे रवाना होकर दोपहर बाद 2:45 बजे रींगस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09638 रींगस-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा 3 सितंबर, 6, 7, 13, 14,17, 20, 21, 27 व 28 सितंबर को रींगस से 3:05 बजे रवाना होकर शाम 6:20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में कुंड, काठूवास, अटेली, नारनौल, अमरपुर जोरासी, निजामपुर, डाबला, मांवडा, नीम का थाना, कावंट व श्रीमाधोपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 8 साधारण श्रेणी एवं गार्ड श्रेणी के 2 डिब्बों सहित कुल 10 डिब्बे होंगे।

रेवाड़ी। गांव में लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करती टीम। फोटो: हरिभूमि

जिले को नशामुक्त बनाने के लिए टीम की विशेष पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- पुलिस की नशा मुक्त टीम ने शनिवार को गांव पातूहेड़ा व इब्राहिमपुर में ग्रामीणों को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिले को नशामुक्त बनाने के लिए लगातार ग्रामीण दौरे कर रही हैं। शनिवार को जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने गांव पातुहेड़ा व इब्राहिमपुर में ग्रामीणों के साथ बैठक कर गांवों को नशा मुक्त करने तथा युवाओं को नशे से दूर रखने को लेकर विचार-विमर्श किया। इस मौके पर निरीक्षक रामपाल ने कहा कि पुलिस और आमजन अगर आपस में तालमेल के साथ कार्य करें तो नशे जैसी बुराई पर नियंत्रण पाया जा सकता है। नशा एक ऐसी बुराई है,

जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के इस अभियान से प्रेरित होकर जहां युवा शिक्षा और खेल गतिविधियों की ओर अग्रसर हो रहे हैं,वहीं पर अनेक नशा ग्रस्त युवकों ने नशा छोड़ने की पहल भी की है, जिनका स्थानीय प्रशासन की मदद से इलाज कराकर फिर से समाज की मुख्यधारा में शामिल किया गया है।

सूचित करें

उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रकार की नशे संबंधी सूचना मिलती है, कोई व्यक्ति नशे का प्रयोग करता है या नशे की सप्लाई इत्यादि करता है तो पुलिस को एनसीबीमानस हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 नंबर पर सूचित करें। उन्होंने गांव के नौजवानों और बच्चों से अपील करते हुए कहा कि वे नशे के विरुद्ध इस युद्ध में पुलिस का सहयोग करे। गांव में किसी भी परिवार में कोई भी व्यक्ति नशे का सेवन करता है तो उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें, जिला पुलिस इसमें पूरा सहयोग करेगी।

आईजीयू में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

छात्रों ने रस्साकशी व दौड़ में दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। रस्साकस्सी में जोर आजमाइस करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानि यूजीसी के निर्देशानुसार महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस पर तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेलों का आयोजन योग एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। विवि के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने खेलों का शुभारी किया। स्पोर्ट्स निदेशक डा. अशोक ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव का पौधा भेंटकर स्वागत किया एवं योग विभाग की अध्यक्ष डा. श्रुति भी उपस्थिति रही। प्रथम दिन रस्साकसी, 100 मीटर दौड़ व प्लैंक अभ्यास जैसी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दूसरे दिन शनिवार को योग विभाग के सहायक प्राध्यापकों की ओर से योगाभ्यास के अंतर्गत सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन एवं प्राणायाम का सामूहिक अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में प्रो. पंकज त्यागी, डा. संगीता, देवेंद्र ढाका, डा. जयपाल सिंह राजपूत, डा. अमनदीप, डा. धर्मबीर यादव, प्रवीण कुमार व अमित कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित थे। डा. जयपाल सिंह ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की शपथ दिलाई।

टी-शर्ट भेंट की गई

डा. श्रुति ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन सहायक प्राध्यापक डा. अमनदीप ने किया। अमित एवं देवेंद्र ढाका ने रस्साकस्सी एवं दौड़ प्रतियोगिता का संचालन किया। प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार के रूप में टी-शर्ट भेंट की गई।

अज्ञात वाहन की चपेट से राजस्थान के युवक की मौत, एक घायल

मंडी अटेली। नारनौल-रेवाड़ी नेशनल हाईवे नंबर 11 पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में राजस्थान के झुंझुनूं जिले के मेहाड़ा निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान बिरजू राम के रूप में हुई है, जबकि घायल व्यक्ति गूगनराम है। शिकायतकर्ता गूगनराम ने बताया कि वे दोनों बाइक पर सवार होकर रेवाड़ी किसी काम से जा रहे थे। जैसे ही वे बजाड़ गांव के बस अड्डे के पास सर्विस रोड पर पहुंचे तो एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

डीएवी कॉलेज में सेमिनार

हर कार्य को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करना ही गारंटी: एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रेवाड़ी। सेमिनार में छात्राओं को संबोधित करते एसडीएम। फोटो: हरिभूमि

कोसली के डीएवी महिला महाविद्यालय में शनिवार को प्रोजेक्ट प्रबंधन विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि एसडीएम विजय कुमार यादव ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में हर कार्य को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करना ही गारंटी है। प्रोजेक्ट प्रबंधन न केवल संसाधनों का सही उपयोग सिखाता है, बल्कि टीमवर्क और समय प्रबंधन का भी पाठ पढ़ाता है। सेमिनार में आमंत्रित प्रोजेक्ट प्रबंधन विशेषज्ञ जय कुमार, अजंता शर्मा व कर्नल अतुल कुमार ने छात्राओं को प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के विभिन्न पहलुओं जैसे प्लानिंग, एक्जीक्यूशन और इवैल्यूएशन के बारे में अवगत कराया। छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी करते हुए संबंधित सवाल पूछे और समूह गतिविधियों के माध्यम से प्रोजेक्ट प्रबंधन के व्यापारिक व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी ली। प्राचार्य डा. जय सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

पकड़ लो हाथ बनवारी, नहीं तो डूब जाएंगे भजनों से श्रृद्धालुओं को किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रेवाड़ी। गणेश उत्सव में भजन सुनाते हुए गायक व मौजूद श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

कोसली स्टेशन क्षेत्र की शिव कॉलोनी में आयोजित श्री गणेश महोत्सव में शुक्रवार रात दिल्ली से भजन गायक शिवम शर्मा ने अपने भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

कोसली स्टेशन के शिव कॉलोनी में श्री गणेश महोत्सव

शिवम शर्मा ने कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से की तथा बाद में खाटू श्याम व भगवान श्रीकृष्ण के भजन 'पकड़ लो हाथ बनवारी, नहीं तो डूब जाएंगे, हमारा कुछ न बिगड़ेगा तुम्हारी लाज जाएगी' व 'श्याम दीवानी हो गई, राधा श्याम दीवानी हो गई' सहित अनेक भजनों से श्रोताओं को भाव विभोर किया। भजन गायक राजेश जांगड़ा ने गणेश जी के भजनों से श्रृद्धालुओं को देर रात तक कार्यक्रम से बांधे रखा।

मौजूद रहे

इस अवसर पर सोनू बंसल, मोनू बंसल नरेश गुप्ता, रामावतार बंसल, कपूर बंसल, कृष्ण बंसल, सतीश बंसल राकेश गर्ग, तुषार गर्ग, हुकुमचंद शर्मा व ललित बंसल सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

हमीदपुर बांध में डूबने से युवक की मौत

नारनौल। हमीदपुर गांव में पशुओं को चराने गए व्यक्ति की बांध में डूबने से मौत हो गई। मृतक गत 28 अगस्त की सुबह पशुओं को लेकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। जानकारी के अनुसार करीब 34 वर्षीय बिरेंद्र सिंह गांव में ही रहता था और खेतीबाड़ी का काम करता था। वह गत 28 अगस्त की प्रातः लगभग 8 बजे घर के पशुओं को लेकर उन्हें चराने निकला था। दोपहर करीब 12 बजे पशु तो वापस घर लौट आए, लेकिन बिरेंद्र सिंह नहीं लौटा। इस पर परिवार के लोगों को चिंता हुई तथा उन्होंने पूछताछ शुरू की, लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लगा। परिवारजनों ने बांध एवं आसपास भी उसकी तलाश की, लेकिन कहीं नहीं मिला।

अध्यापिका के सेवानिवृत्त पर भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

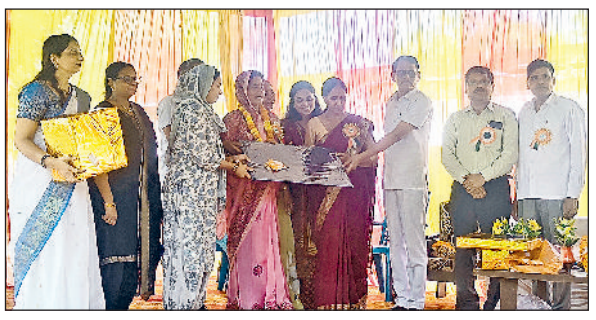

रेवाड़ी। सुमित्रा यादव को सेवानिवृत्ति पर स्मृति चिंह भेंट करते शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

राजकीय उच्च विद्यालय बिसोहा में कार्यरत गणित अध्यापिका सुमित्रा यादव की सेवानिवृत्ति पर स्कूल प्रबंधन समिति एवं ग्रामीणों की ओर से विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी डा. राजेंद्र यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। वि भि न्न विद्यालयों के मुखियाओं एवं प्रतिनिधियों ने सुमित्रा यादव को स्मृति चिन्ह भेंट किए। संकुल प्रभारी प्राचार्या उमा यादव ने सुमित्रा यादव के कार्यों की प्रशंसा की। प्राचार्या ईश कुमार ने भी सुमित्रा यादव के अध्यापक जीवन पर प्रकाश डाला। समारोह में विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस मौके सुमित्रा यादव के पति सेवानिवृत्त प्राचार्य अनिल यादव व उनकी बेटी डा. प्रीति यादव ने भी उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी डा.यादव ने कहा कि सुमित्रा यादव ने अपने अध्यापन काल हजारों विद्यार्थियों के जीवन को प्रकाशवान किया है। गांव बिसोहा के सरपंच राधेश्याम ने भी शिक्षिका को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

प्रबंधन समिति एवं ग्रामीणों की ओर से विदाई समारोह का आयोजन किया

आभार व्यक्त किया

विद्यालय बिसोहा के प्रभारी रामकिशन यादव ने खंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्यों, अभिभावकों एवं सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डा. नवदीप यादव, डा. प्रीति यादव, अंकुर यादव, प्रवक्ता श्रीभगवान बव्वा,अनूप यादव, एबीआरसी अंशु यादव, उमेद सिंह, लायक राम, माधोराम व माया देवी मौजूद थी।

शहर को स्वच्छ बनाने की मुहिम तेज

उपायुक्त ने अधिकारियों के साथ उठाया झाड़ू

- डीसी ने सचिवालय के प्रत्येक कार्यालय में सफाई का अवलोकन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सचिवालय परिसर में साफ सफाई में लगे कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

रेवाड़ी। सचिवालय परिसर में साफ सफाई में लगे कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि एक कदम स्वच्छता की ओर.. मिलकर बढ़ाएंगे तो निश्चित तौर पर स्वच्छ वातावरण की परिकल्पना को साकार होते देर नहीं लगेगी। ऐसे में सभी मिलकर म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी मुहिम में भागीदार बनते हुए एक सुखद व स्वच्छ वातावरण बनाने में सहभागी बनें। डीसी मीणा ने शनिवार को एडीसी राहुल मोदी व सीटीएम जितेंद्र कुमार सहित पूरी प्रशासनिक टीम के साथ लघु सचिवालय परिसर में स्वच्छता अभियान की कड़ी में श्रमदान कर साफ-सफाई की। डीसी ने सबसे पहले सचिवालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी मुहिम के उद्देश्य से अवगत कराया और उसके बाद अधिकारियों के साथ झाड़ू थामकर सफाई करने के लिए टीम सहित परिसर में उतर गए। डीसी ने सचिवालय के प्रत्येक कार्यालय में सफाई का अवलोकन किया और सफाई अभियान में जुटे अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों ने स्वेच्छा से कार्यालयों की सफाई करते हुए स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

11 सप्ताह का स्वच्छता अभियान

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से चलाए गए 11 सप्ताह के स्वच्छता अभियान में जिले की उल्लेखनीय भागीदारी रहेगी और प्रयास रहेगा कि स्वच्छता रैंकिंग में जिला रेवाड़ी की अग्रणी भूमिका रहे। उन्होंने कहा कि श्रमदान दिवस मनाने का उद्देश्य अधिकारियों व कर्मचारियों में स्वच्छता की अलख जगाना है ताकि एक बार सफाई पूर्ण तरीके से होने के उपरांत उसकी व्यवस्था नियमित तौर पर बनी रहे और हम सभी सफाई को अपनी आदत में शामिल कर लें।

पीएम की मां पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। गांधी चौक पर प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

शनिवार को भाजपाईयों की ओर से मॉडल टाउन स्थित महात्मा गांधी चौक पर कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने जमकर नारेबाजी की।

बिहार में राहुल गांधी के मंच से दी गई गाली से रोष

भा ज पा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी माफी मांगें के नारे लगाए। भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम नरेन्द्र मोदी की मां के खिलाफ राहुल गांधी के मंच से हुई टिप्पणी के विरोध में कांगेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी को जनता के सामने माफी मांगनी चाहिए। प्रधानमंत्री पर की गई टिप्पणी लोकतांत्रिक मर्यादा के खिलाफ है। भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के लिए इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग करना अशोभनीय है। कांग्रेस को जब भी सत्ता से दूर होने का भय लगता है तो वे ऐसी ओछी हरकतों पर उतर आते हैं। कांग्रेस ने चुनाव से पहले ही हार मान ली है। अभी वोट चोरी की बात कर रहे हैं, लेकिन चुनाव के बाद ये लोग ईवीएम पर दोष लगाते हुए नजर आएंगे। प्रदर्शन में विधायक लक्ष्मण यादव, जिला महामंत्री योगेश पालीवाल, सुनील मूसेपुर, हुकुम चंद, दीपा भारद्वाज, प्रदीप भार्गव, प्रमिला भार्गव, प्रवीण शर्मा, नितेश अग्रवाल व जतिन अरनेजा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

खबर संक्षेप

जाट धर्मशाला में होगा इनेलो का सम्मेलन

रेवाड़ी। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी सुप्रीमो चौ. अभय सिंह चौटाला प्रदेश के प्रत्यके हलके में कार्यकर्ताओं से रूबरू होकर जननायक चौ. देवीलाल की 112वीं जयंती समारोह का निमंत्रण दे रहे हैं। इनेलो प्रदेश प्रवक्ता रजवंत डहीनवाल ने बताया कि एक सितंबर को दोपहर 1 बजे चौ. अभय चौटाला बावल रोड स्थित जाट धर्मशाला में कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। प्रदेश प्रवक्ता ने बताया कि पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौ. देवीलाल की जयंती समारोह 25 सितंबर को रोहतक की अनाज मंडी में मनाया जाएगा। सम्मान दिवस समारोह में देश-प्रदेश के लोग चौ. देवीलाल को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

वाद विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रेवाड़ी। अहीर महाविद्यालय में शनिवार को उद्यमिता पखवाड़े के तहत वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डा. उर्मिला शर्मा ने विद्यार्थियों की भागीदारी की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी। डा. नरपाल यादव ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रभारी डा. मीनाक्षी यादव ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत कराया।

टी पी स्कीम के गणेशोत्सव में श्याम बाबा का किया गुणगान

महाकाल की नगरी से आए कलाकारों ने मचाया धमाल, श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

रेवाड़ी। टी पी स्कीम के गणेश उत्सव में उपस्थित महिलाएं, श्याम बाबा का गुणगान करते हुए गायक, सेक्टर-3 में अघोरी की झांकी पेश करते उज्जैन के कलाकार व मौजूद श्रृद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भगवान श्रीगणेश के गणेशोत्सव की शहर में धूम मची हुई है। गणेश उत्सव समितियों की ओर से प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का आयोजन भी कराया जा रहा है। गणेश उत्सव समितियों के पांडालों में चार दिन से रोजाना रात्रि के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। झांकियों के मंचन के लिए बाहर से कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। शुक्रवार रात्रि शहर के सेक्टर-3 स्थित श्री कृष्ण मंदिर में युवा मंडल की ओर से चल रहे गणेश उत्सव में उज्जैन से आए कलाकारों ने अघोरी की झांकी की मंचन कर महाकाल के तांडव नृत्य की प्रस्तुति दी। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने देर रात तक श्रृद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। इस मौके पर भारी संख्या में महिलाएं व बच्चे मौजूद थे। युवा मंडल के गणेश उत्सव में निर्मल, निक्कू, अविनाश, मयंक, नितेश, डब्बू, चिंटू, रविंद्र प्रवीण, गुरु व महिला मंडल की प्रधान शकुंतला यादव सहित अनेक युवा सहयोग कर रहे है।

श्याम बाबा के भजनों पर झूमे श्रृद्धालु

टीपी स्कीम में चल रहे गणेशोत्सव का चौथा दिन खाटू श्याम के नाम रहा। श्री श्याम के भजनों पर पूरा पांडाल झूम उठा। कलाकारों की संगीतमय प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। टीपी स्कीम कांप्लेक्स में सुबह गणपति पूजन व शाम को महिला संगीत हुआ। रात्रि को श्याम बाबा के जागरण का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि तरुण मखीजा ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम शुरू किया। समिति संरक्षक सतीश अग्रवाल, प्रधान विनय मलिक, उप प्रधान मोनू सचदेवा व कोषाध्यक्ष प्रेम गेरा ने अतिथियों का स्वागत किया। श्री श्याम के पूजन के बाद भक्ति संगीत की धारा में सभी मंत्रमुग्ध हो गए। भजन गायक आशीष शर्मा के भजनों की प्रस्तुति के बाद नवीन शर्मा के भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। बाबा अपने दीवानों पर इक करम कर देना, जिस दिन मैं तुझे भूलूं, इस दुनिया से उठा लेना तथा शीश पर खडाऊं, आंखों में पानी, रामभक्त ले चला राम की निशानी भजनों ने श्रृद्धालुओं को भाव विभोर किया। इसके अतिरिक्त सांवरियो बैठो है, जो लेणो है तो मांग ले, किस्मत सुधर गई, हालत सुधर गई, इतनो मिलो तेरो प्यार बाबा तथा दीनानाथ मेरी बात छानी कौनी तेरे सै आदि भजनों ने समां बांध दिया। समिति के मीडिया प्रभारी गोपाल शर्मा ने मंच संचालन किया। इस मौके पर सुनील माटा, मुकेश अग्रवाल, अनिल सैनी व जगदीश सहित समिति के सभी सदस्यों विभिन्न प्रभार संभाले। आरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रेवाड़ी। नए विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए प्रोफेसर। फोटो : हरिभूमि

विवि के शैक्षिक व नैतिक मूल्यों से परिचित कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

खास बातें

- डा. जयपाल सिंह राजपूत ने सभी विद्यार्थियों, विभागाध्यक्ष तथा सहायक प्राध्यापकों का स्वागत किया

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में योग विभाग की ओर से नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षा आरंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षिक, सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों से परिचित कराया गया। डा. जयपाल सिंह राजपूत ने सभी विद्यार्थियों, विभागाध्यक्ष तथा सहायक प्राध्यापकों का स्वागत किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत गुरुकुल परंपरा की चर्चा की। उन्होंने कहा कि आईजीयू के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी के नेतृत्व व कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह के प्रयासों से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उनका व्यक्तित्व विकास हो और वे राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। विद्यार्थियों को छात्रावास से संबंधित जानकारी दी गई। योग विभाग की अध्यक्ष डा. श्रुति ने विद्यार्थी जीवन का मोल समझाते हुए शोध, अध्ययन व नवाचार पर बल दिया। डा. अमनदीप ने राष्ट्रीय सेवा योजना में भागीदारी की आवश्यकता समझाई। डा. नवनीत कौशल ने यूथ रेडक्रॉस कार्यक्रम की जानकारी दी। डा. प्रवीण कुमार एवं डा. धर्मवीर यादव ने योग विभाग की पाठ्यचर्या, सिलेबस और विभागीय गतिविधियों के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में नव-प्रवेशी विद्यार्थियों ने स्वागत एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर आयोजित हुई स्पर्धा

विद्यार्थियों ने खेल स्पर्धाओं में दिखाई अपनी प्रतिभा

- मेजर ध्यानचंद ने अपने खेल-कौशल से पूरे विश्व में भारत का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्कूल में खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राठ इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन बलवान सिंह यादव ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपने खेल-कौशल से पूरे विश्व में भारत का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया। विद्यार्थियों को उनसे अनुशासन, परिश्रम और खेल भावना की प्रेरणा लेनी चाहिए। विद्यालय की अकेडमिक डीन प्रियंका यादव और प्रधानाचार्या मंजू यादव ने कहा कि खेल शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। विद्यालय की हेडमिस्ट्रेस शिप्रा, कोऑर्डिनेटर आशा यादव, निशा यादव और ज्योति यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। खेल दिवस पर स्कूल में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने कबड्डी, हॉकी,100 मीटर व 200 मीटर दौड़ तथा रस्साकशी प्रतियोगिता में अपने जौहर दिखाए।

दो साल से अधर में लटका है बनीपुर चौक फ्लाईओवर

पुल निर्माण की मांग पर आज तय होगी रणनीति बनीपुर चौक पर एकत्र होंगे आसपास के ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पूर्व मंत्री डा. बनवारीलाल के प्रयासों से दिल्ली-नेशनल हाइवे पर बनीपुर चौक पर शुरू किया गया फ्लाईओवर का निर्माण कार्य लगभग दो साल से बंद पड़ा हुआ है। हाइवे की सर्विस लेन की सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रही है, जिससे देश के प्रमुख नेशनल हाइवे की रफ्तार बावल के आसपास आकर थम जाती है। भारतीय किसान यूनियन राकेश टिकैत ग्रप ने फ्लाईओवर का जल्द निर्माण कराने के लिए रणनीति तय करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत 31 अगस्त को आसपास के गांवों के लोगों को मीटिंग में बुलाया गया है। इस प्रमुख नेशनल हाइवे के बनीपुर चौक पर बावल-रेवाड़ी रोड क्रॉस करता है। इस चौराहे पर सड़क हादसों की संख्या काफी अधिक हो गई थी। लगभग तीन साल पहले तत्कालीन कैबिनेट मिनिस्टर डा. बनवारीलाल के प्रयासों से एनएचएआई ने फ्लाईओवर का निर्माणकार्य शुरू कराया था। नेशनल हाइवे की मुख्य सड़क को बंद करते हुए यातायात को दोनों ओर सर्विस रोड से डायवर्ट कर दिया गया था। करीब एक साल बाद ही किन्हीं कारणों से पुल निर्माण का कार्य बंद कर दिया गया।

रेवाड़ी। अधर में लटका हुआ बनीपुर फ्लाईओवर का कार्य।

ट्रैफिक पुलिस ने ही भरवाए थे गड्ढे

अगस्त माह में ही एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस ने नेशनल हाइवे के गड्ढों को मिट्टी डलवाकर भरवा दिया था। बारिश आने के बाद मिट्टी निकलने से गड्ढे फिर से बन गए। ट्रैफिक पुलिस की ओर से एनएचएआई को कई बार यहां लगने वाले जाम और सड़क की दुर्दशा से अवगत कराया जा चुका है, परंतु इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। पुल निर्माण के मामले में एनएचआईए की ओर से गंभीरता से प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।

महलावत ने बुलाई ग्रामीणों की बैठक

भारतीय किसान यूनियन राकेश टिकैत ग्रुप से जुड़े किसान नेता रामकिशन महलावत ने फ्लाईओवर का निर्माण जल्द पूरा कराने के लिए 31 अगस्त को बनीपुर चौक पर आसपास के गांवों के लोगों को रणनीति तैयार करने के लिए बुलाया है। महलावत ने बताया कि सर्विस रोड की दुर्दशा और पुल निर्माण नहीं होने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार पर दबाव बनाने के लिए मीटिंग बुलाई गई है, जिसमें आगामी रणनीति तैयार की जाएगी।

कान्हडवास के पंकज यादव बने असिस्टेंट प्रोफेसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कान्हड़वास गांव निवासी पंकज यादव ने दर्शन शास्त्र विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित होकर अपने परिजनों व गांव का नाम रोशन किया है। वर्तमान में पंकज यादव इंडियन नेवी में मास्टर चीफ पैटी ऑफिसर के पद कार्यरत हैं। हाल ही में हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर पद का परिणाम घोषित किया गया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, बाबा मुक्तेश्वर पुरी और अपने अंग्रेजी शिक्षक जगपाल यादव के आशीर्वाद को दिया है। सेवानिवृत्त प्राचार्य दुलीचंद यादव, जिला पार्षद जीवन हितैषी, कप्तान सुभाष, लखेंद्र ,सुशील, डा. ईश्वर, भोपाल सिंह, बीर सिंह और जगपाल यादव ने पंकज को सफलता पर बधाई दी है।

गर्ल्स कॉलेज में 'डे लॉन्ग बाजार' कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संबंधी गतिविधियां आयोजित

- शनिवार को छात्राओं ने चाक की मदद से मिट्टी के बर्तन, दीए, मूर्तियां, घड़े व अन्य आइटम बनाने की कला सीखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कॉलेज में औषधीय पौधे लगाते शिक्षक व छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'डे लॉन्ग बाजार' के तहत सेक्टर-18 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में गतिविधियां आयोजित की जा रही है। कॉलेज की प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने बताया कि विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय में जागरूक करने तथा अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग ने डे लॉन्ग बाजार कार्यक्रम की परिकल्पना की है, जोकि हरियाणा के सभी जिलों के एक-एक महाविद्यालय में आयोजित किया जा रहा है। रेवाड़ी जिले की जिम्मेदारी राजकीय कन्या महाविद्यालय को सौंपी गई है। 'डे लॉन्ग बाजार' का आयोजन महाविद्यालय में 10 सितंबर को किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्टॉल, सांस्कृतिक गतिविधियां व अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इको क्लब इंचार्ज डा. राजेश कुमारी और उनकी टीम कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन गतिविधि आयोजित की जा रही है। 29 अगस्त को महाविद्यालय में कपड़े व जूट के थैले बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में महाविद्यालय को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जागरूक करने के साथ छात्राओं को स्वावलंबी बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शनिवार को कॉलेज में चाक की मदद से छात्राओं ने मिट्टी के बर्तन, दीए, मूर्तियां, घड़े व अन्य आइटम बनाने की कला सिखाई गई। कॉलेज के बोटेनिकल गार्डन में औषधीय पौधे लगाकर छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

डॉन बॉस्को स्कूल के खेल प्रतिभाओं को किया सम्मानित

रेवाड़ी। दिल्ली रोड स्थित डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कक्षा छठी के छात्र आरूष ने ताइक्वांडो में आई टी फेडरेशन के अंतर्गत अंडर-32 किलोग्राम वजन में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होकर कटक उड़ीसा जाने का अवसर प्राप्त किया व यशस्वी ने अंडर-14 के तहत क्रिकेट में राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया। लक्षिता, रिद्धिमन व यासमीन का अंडर-14 बॉस्केट बाल में राज्य स्तर पर हिसार के लिए चयन हुआ,वहीं रस्साकस्सी में मुकुल, हनिस्या, विहान, चैतन्य, प्रशांत सक्षम, देवांग, हिमांशु व निवान का राज्य स्तर पर रोहतक के लिए चयन हुआ। इसी के साथ छात्र प्रनील ने भी अंडर-14 बॉस्केट बाल में राज्य स्तर पर भिवानी जाने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर स्कूल की प्रधानाचार्या पिंकी तंवर ने सभी बच्चों लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया व उपहार देकर पुरस्कृत किया। इस मौके पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। विजेता बच्चों को पुरस्कृत करते हुए प्रधानाचार्या। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

एक सितंबर को जिले के स्कूलों में विद्यार्थी लेंगे पांच संकल्प

रेवाड़ी। इस बार शिक्षक दिवस से चार दिन पहले यानी 1 सितंबर को देशभर के तमाम स्कूल संस्थानों में पांच संकल्प लिए जाएंगे, जिसमें देश भर के करीब पांच लाख शिक्षण संस्थानों के एक करोड़ से ज्यादा विद्यार्थी तथा अन्य प्रतिनिधि शामिल होंगे। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला प्रभारी तथा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिठवाना के प्राचार्य डा. दुष्यंत ने बताया कि 'हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान' नामक इस राष्ट्रीय प्रकल्प के अंतर्गत पहले संकल्प में हम अपने विद्यालय को स्वच्छ, अनुशासित तथा प्रेरणादायी बनाए रखेंगे। दूसरे संकल्प में विद्यालय की संपत्ति राष्ट्रीय संपत्ति है तथा हम इसका संरक्षण करेंगे, तीसरे संकल्प के रूप में चरित्र निर्माण तथा समाज सेवा को केंद्र में रखा गया है।

प्रतियोगिता | तीनों प्रतियोगिताओं में सभी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

भक्तामर पाठ ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता में नीति जैन, नेहा जैन व अंजलि जैन बनीं विजेता

- विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

जैन समाज के दशलक्षण महापर्व के दौरान जैन मंदिर नसियांजी स्थित प्रणम्य सागर मांगलिक भवन में भक्तामर पाठ ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के बच्चों व व्यस्कों के लिए भक्तामर पाठ पर आधारित तीन प्रतियोगिताएं रखी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के अजय जैन, हेमराज जैन, राकेश जैन व मोहित जैन ने दीप प्रज्वलित करके किया। तीनों प्रतियोगिताओं में सभी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भक्तामर पाठ समिति के प्रधान कुलदीप जैन ने बताया कि सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर समिति के सचिव भूषण, जैन सतेंद्र जैन व संदीप जैन उपस्थित थे। जैन शास्त्रानुसार दिगंबर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के चमत्कारिक अतिशय के प्रभाव के चलते मुनि मानतुंग आचार्य ने 48 तालों के कारागार में भक्तामर स्तोत्र की रचना की थी।

भक्तामर स्त्रोत्र के 48 छन्दों की जैसे-जैसे मुनि रचना करते गए, एक-एक कर सभी ताले खुलते चले गए। इसलिए भगवान आदिनाथ के अतिशय को लेकर भक्तामर स्तोत्र को संकटमोचक व विघ्नहर्ता माना गया है। समाज की संस्था भक्तामर पाठ समिति के प्रधान कुलदीप जैन ने कहा कि पिछले कई वर्षों से समिति द्वारा भक्तामर पाठ का आयोजन किया जा रहा है और इसकी महिमा को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नसियाजी मंदिर में यह 499वां भक्तामर पाठ हुआ। उन्होंने कहा कि अपने घर व व्यापारिक प्रतिष्ठानों में इसका जहां भी पाठ होता है, वहां सुख-समृद्धि आती है और कष्टों का नाश होता है।

ये रहे विजेता

तीनों प्रतियोगिताओं में नीति जैन, नेहा जैन व अंजलि जैन प्रथम, लावण्या जैन, निर्मल जैन व रजनी जैन द्वितीय व भव्य जैन, सिद्धी जैन व मोनिका जैन तृतीय स्थान पर रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 31 अगस्त 2025

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

{ विचारणीय / अलका सोनी }

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूपः प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबावः अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारणः किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थितिः अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

{ कविता / हरीश कुमार 'अमित' }

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

{ कहानी / संजीव ठाकुर }

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

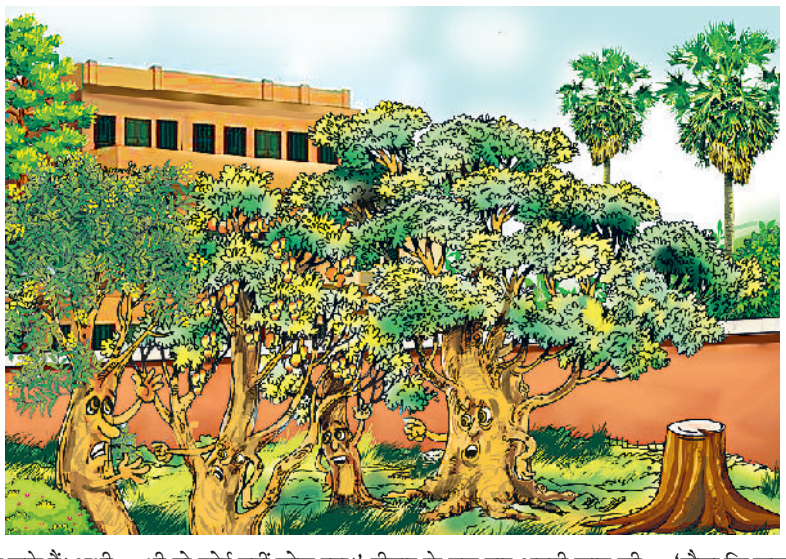

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क' }

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

पुस्तकः असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

केरल में अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

पुडुचेरी को 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

एक समय तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

भारत का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

इसलिए जरूरी है लक्ष्यः लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकावः सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

लक्ष्य से आसान हो जाती है राहः सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड

प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिटः यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्सः यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोनः ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंटः हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

टेक्स्चर और फैब्रिकः आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड मेंः अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्सः आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत

डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

राज के किरदार में राज कपूरः सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिश्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खानः 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

विजय के रोल में अमिताभ बच्चनः फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

राज के किरदार में शाहरुखः 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्तः मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त

सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *